वाट्सऐप @ 94140-78380, 92140-78380 | वर्ष :3 अंक : 99 | रविवार 6 अगस्त 2023 | दैनिक ई-पेपर

शाबाश इंडिया

@ShabaasIndia | प्लॉट नंबर 8, ओझा जी का बाग, गांधी नगर मोड, टोंक रोड, जयपुर

खेलेगा राजस्थान, जीतेगा राजस्थान : राजीव गांधी ग्रामीण एवं शहरी ओलम्पिक खेल-2023 का आगाज

खेल प्रतिभाओं को मंच और सम्मान देना राज्य सरकार की जिम्मेदारी : गहलोत

जयपुर. शाबाश इंडिया

मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने कहा कि राज्य के प्रत्येक जिले की ग्राम पंचायत और शहरी वार्डों में एक साथ हजारों खिलाड़ियों का मैदान में प्रतिभा दिखाना गौरवशाली पल है। हम सभी ने मिलकर देश के सामने एक खेल इतिहास रचा है। खेल प्रोत्साहन की दिशा में राजीव गांधी ग्रामीण एवं शहरी ओलम्पिक खेल-2023 का आयोजन नए कीर्तिमान स्थापित करेगा। यह खेल अब हर वर्ष आयोजित कराए जाएंगे। गहलोत ने शनिवार को सवाई मानसिंह स्टेडियम में राजीव गांधी ग्रामीण एवं शहरी ओलम्पिक-2023 का विधिवत शुभारंभ किया। उन्होंने खिलाड़ियों को खेल मशाल सौंपकर प्रज्वलित कराई। साथ ही, खिलाड़ियों को खेल भावना और ईमानदारी से खेलने की शपथ भी दिलाई। उन्होंने कहा कि प्रतिभाओं को मंच और सम्मान देना हमारी जिम्मेदारी है। इसमें कमी नहीं रखी जाएगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश में बड़े स्तर पर खेल माहौल तैयार करने के लिए गत वर्ष राजीव गांधी ग्रामीण ओलम्पिक खेल का आयोजन किया गया था। इसमें हर वर्ग और उम्र के लगभग 30 लाख खिलाड़ियों ने रजिस्ट्रेशन कराया था। यह संख्या इस बार 58.51 लाख पहुंचना एक रिकॉर्ड है। उन्होंने कहा कि इन खेलों से शहरों से लेकर हर गांव-ढाणी में खेलों का सकारात्मक माहौल बनेगा। इससे आने वाले वर्षों में ओलम्पिक, कॉमनवेल्थ, एशियन जैसे विश्वस्तरीय आयोजनों में राजस्थान के खिलाड़ी पदक जीतते नजर आएंगे।

देश में हमारे खेल आयोजनों की चर्चा

गहलोत ने कहा कि राज्य सरकार ने खेल और खिलाड़ियों के प्रोत्साहन में कोई कमी नहीं रखी है। आउट ऑफ टर्न सरकारी नौकरी, नौकरियों में आरक्षण, पुरस्कार विजेता राशि में कई गुना बढ़ोतरी, खेल मैदानों का विकास सहित हरसंभव प्रयास किए गए हैं। उन्होंने कहा कि अब देश के अन्य राज्यों में राजीव गांधी ग्रामीण एवं शहरी ओलम्पिक खेल और राज्य की खेल नीतियों की चर्चा होना हमारी खेल के प्रति दूरदृष्टि और सफलता को दर्शाता है।

युवाओं से आह्वान

मुख्यमंत्री ने कहा कि इस बार का बजट युवाओं को समर्पित किया था। इसमें युवा केन्द्रित योजनाएं लागू की गई। उन्होंने युवाओं से आह्वान किया कि वे योजनाओं का अध्ययन करें और अधिकाधिक लाभ उठाएं। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री अनुप्रति कोचिंग योजना में प्रतियोगी परीक्षाओं की निःशुल्क तैयारी, राजीव गांधी स्कॉलरशिप फॉर एकेडमिक एक्सीलेंस में 500 होनहार विद्यार्थियों को विदेश में शिक्षा, 100 जॉब फेयर का आयोजन सहित कई प्रावधान किए गए हैं। उन्होंने कहा कि हमारा विजन 2030 है, हम चहुंमुखी विकास के साथ देश के अग्रणी राज्यों में खड़े होंगे।

खिलाड़ियों का सम्मान, स्वीमिंग पूल का लोकार्पण

गहलोत ने बॉक्सिंग खिलाड़ी सुखुशी पूनिया, कुश्ती खिलाड़ी सुअश्विनी विश्नोई, कबड्डी खिलाड़ी जय भगवान, एथलीट नीरज बालोदा, शूटिंगबॉल खिलाड़ी सुमुस्कान काठेड और सुशिरीन खान को खेल उपलब्धियों के लिए सम्मानित किया। इस दौरान मुख्यमंत्री ने स्टेडियम में नवीनीकरण के बाद तैयार 8 लेन के अंतर्राष्ट्रीय स्वीमिंग पूल का लोकार्पण किया। युवा मामले एवं खेल राज्य मंत्री अशोक चांदना ने कहा कि राज्य सरकार की खेल प्रोत्साहन सोच एवं कार्यक्रमों से प्रदेश में खेलों का इतिहास ही बदल गया है। आउट ऑफ टर्न पॉलिसी के तहत 1500 खिलाड़ियों को सरकारी नौकरियां दी गई है। इससे युवाओं में खेलों के प्रति विश्वास बढ़ा है। उन्होंने कहा कि खेल प्रोत्साहन का ही नतीजा है कि इस वर्ष खेलो इंडिया में राजस्थान चौथे स्थान पर रहा। राजस्थान राज्य क्रीडा परिषद की अध्यक्ष श्रीमती कृष्णा पूनिया ने कहा कि राज्य सरकार द्वारा खेल और खिलाड़ियों के सर्वांगीण विकास सुनिश्चित किया गया है। मैदान में खिलाड़ियों का उत्साह उज्ज्वल भविष्य को दर्शा रहा है। समारोह में महिला कबड्डी का प्रदर्शन मैच भी खेला गया। इसमें मुख्यमंत्री ने कोर्ट पर पहुंचकर टॉस कराते हुए उनका उत्साहवर्धन किया। इसके बाद उपस्थित मंत्रियों ने भी मैच खेला। समारोह में खिलाड़ियों ने मार्चपास्ट किया। अजमेर से नगाड़ा वादक नरेंद्र सोलंकी समूह सहित अन्य राजस्थानी कलाकारों द्वारा सांस्कृतिक प्रस्तुतियों से खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन किया गया है।

कर्मों को क्षय कर मोक्ष जाने की राह दिखाती जिनवाणीः इन्दुप्रभाजी म.सा.

राग-द्वेष ओर अपना-पराया बंद नहीं होने तक जारी रहेगा भव भ्रमण- दर्शनप्रभाजी म.सा.

सुनील पाटनी. शाबाश इंडिया

भीलवाडा। जिनवाणी के अलावा ऐसा कोई मंत्र, तंत्र या जप नहीं है जो पाप को खत्म कर सके। वितराग प्रभु की जिनवाणी का श्रवण करके ही आधि, व्याधि मिटाकर समाधि की ओर प्रस्थान किया जा सकता है। कर्मो को क्षय कर मोक्ष जाने की राह जिनवाणी ही दिखाती है। भव भम्रण समाप्त करने का एक मात्र उपाय जिनवाणी है। ये विचार भीलवाड़ा के चन्द्रशेखर आजादनगर स्थित रूप रजत विहार में शनिवार को मरूधरा मणि महासाध्वी श्रीजैनमतिजी म.सा. की सुशिष्या महासाध्वी इन्दुप्रभाजी म.सा. ने नियमित चातुर्मासिक प्रवचन में व्यक्त किए। उन्होंने जैन रामायण के विभिन्न प्रसंगों की चर्चा करते हुए बताया कि किस तरह पवनजय सती अंजना से मिलने आधीरात उसके महल में पहुंचते है तो वह उन्हें पहचान नहीं पाती है ओर मिलने से मना कर देती है। पवनजय उसकी भावना को देखते है तो उनको लगता मैने बहुत गलत किया। अंजना ने 12 वर्ष कैसे व्यतीत किए होंगे। उनका मित्र कहता है अभी कुछ नहीं बीता अपनी गलती मान लो ओर उससे क्षमा मांग लो। धर्मसभा में मधुर व्याख्यानी दर्शनप्रभाजी म.सा. ने कहा कि संसार में तीन तरह के लोग निन्दनीय, वंदनीय ओर अभिनंदनीय श्रेणी में आने वाले रहते है। इनमें निंदनीय को निम्न, वंदनीय को उच्च और अभिनंदनीय को उत्कृष्ट माना जाता है। निंदा कार्य करने वाले को निंदनीय माना जाता है तो धर्म व सेवा के लिए समर्पित रहने वालों को वंदनीय माना जाता है। उन्होंने कहा कि सभी अवगुण खत्म कर अष्ट कर्मो का क्षय कर तीर्थंकर गौत्र का बंध करने वाले वितरागियों को अभिनंदनीय माना जाता है। ऐसे अभिनंदनीय लोग ही मोक्ष जा सकते है। जब तक राग-द्वेष ओर अपना-पराया बंद नहीं होगा भव भ्रमण समाप्त नहीं हो सकता। साध्वीश्री ने कहा कि हमारे भीतर के दुर्गण मिटाने का लक्ष्य होने पर ही सफलता मिलेगी।

समीक्षाप्रभाजी ने कराया श्रावक के पांच अणुव्रतों की पालना का संकल्प

धर्मसभा में तत्वचिंतिका डॉ. समीक्षाप्रभाजी म.सा. ने श्रावक के 12 व्रतों की चर्चा करते हुए पांच अणुव्रत अहिंसा, सत्य, अचौर्य, ब्रह्मचर्य एवं अपरिग्रह का आगार सहित पालना का संकल्प कई श्रावक-श्राविकाओं को दिलाया। उन्होंने कहा कि व्रति श्रावक बनने पर ही हम स्वयं को जैन श्रावक-श्राविका कह सकते है। उन्होंने कहा कि श्रावक के व्रतों की पालना आसान है ओर हम पूरी तरह नही तो जितना संभव हो उतना नियमों की पालना तो करनी चाहिए। मयार्दा में बंधने पर उसका महत्व बढ़ जाता है। श्रावक व्रत स्वीकार करने से हम उन पापों से स्वयं को बचा पाएंगे जिनके मयार्दा के अभाव में अनजाने में भागीदार बन जाते है।

नवदीक्षिता हिरलप्रभाजी म.सा. की तपस्या गतिमान

धर्मसभा में बताया गया कि नवदीक्षिता हिरलप्रभाजी म.सा. की तपस्या गतिमान है ओर शनिवार को उनके 6 उपवास की तपस्या रही। श्रावक-श्राविकाओं ने उन तपस्या की सुखसाता पूछते हुए मंगलकामनाएं व्यक्त की। धर्मसभा में आगम मर्मज्ञा डॉ. चेतनाश्रीजी म.सा., आदर्श सेवाभावी दीप्तिप्रभाजी म.सा. का भी सानिध्य प्राप्त हुआ। धर्मसभा में सोजत के प्रवीण बोहरा ने भी विचार व्यक्त किए। धर्मसभा में विजयराज भंसाली, सोजत के बाबूलाल बोहरा आदि का श्री अरिहन्त विकास समिति द्वारा स्वागत किया गया। धर्मसभा में शहर के विभिन्न क्षेत्रों से आए श्रावक-श्राविका बड़ी संख्या में मौजूद थे। धर्मसभा का संचालन युवक मण्डल के मंत्री गौरव तातेड़ ने किया। समिति के अध्यक्ष राजेन्द्र सुकलेचा ने बताया कि चातुर्मासिक नियमित प्रवचन प्रतिदिन सुबह 8.45 बजे से 10 बजे तक हो रहे है। प्रतिदिन सूर्योदय के समय प्रार्थना का आयोजन हो रहा है। प्रतिदिन दोपहर 2 से 3 बजे तक नवकार महामंत्र जाप हो रहा है। चातुर्मासिक आयोजन के तहत रविवार 6 अगस्त को दादा-दादी दिवस मनाया जाएगा। इसमें साध्वीवृन्द द्वारा प्रवचन के माध्यम से बताया जाएगा कि दादा-दादी कैसे अपने पोते-पोतियों के जीवन में अहम भूमिका निभाते हुए उन्हें धर्म से जोड़ने के साथ संस्कारवान बना सकते है। इस आयोजन में बुजुर्गों को अपने पोते-पोतियों या दोहते-दोहतियों के साथ आना है।

लवली फ्रेंड्स क्लब ने फ्रेंडशिप डे मनाया

जयपुर. शाबाश इंडिया लवली फ्रेंड्स क्लब द्वारा मित्रता दिवस बड़े ही उत्साह पूर्वक आयोजित किया गया जिसमें सभी महिला सहेलियों ने एक दूसरे को फ्रेंडशिप बैंड बांधकर दोस्ती के गाने गाकर, मिठाई खिलाकर एक दूसरे को फ्रेंडशिप डे की बधाई दी।

राजस्थान जैन युवा महासभा द्वारा स्वास्थ्य सुरक्षा सेमीनार रविवार 6 अगस्त को कैंसर केयर एवं निः शुल्क जांच शिविर

जयपुर. शाबाश इंडिया। जैन महिला एवं युवा संगठनों की प्रदेश स्तरीय प्रतिनिधि पंजीकृत संस्था राजस्थान जैन युवा महासभा जयपुर एवं संगिनी फोरम जेएसजी मेट्रो, जयपुर के संयुक्त तत्वावधान में स्वास्थ्य सुरक्षा सेमीनार का रविवार 6 अगस्त को आयोजन किया गया है।राजस्थान जैन युवा महासभा के प्रदेश अध्यक्ष प्रदीप जैन एवं प्रदेश महामंत्री विनोद जैन कोटखावदा ने बताया कि मानसरोवर के शिप्रा पथ स्थित लउऋकैंसर केयर हास्पिटल के सहयोग से रविवार,06 अगस्त,2023 को प्रातः 11.00 बजे से दोपहर 2.00 बजे तक आयोजित इस स्वास्थ्य सुरक्षा सेमीनार अस्पताल की ओर से कैंसर केयर हेतु निः शुल्क कंसल्टेंसी सहित कई तरह की जांचें निः शुल्क की जाएगी। जिनमें मेमोग्राफी,पेप स्मीयर,पीएसए आदि की जाएगी। सेमीनार के लिए राजस्थान जैन युवा महासभा की ओर से रवि प्रकाश जैन- अग्रवाल फार्म, तरुण जैन- झोटवाड़ा, रेखा पाटनी -दुर्गापुरा, भंवरी देवी जैन -थडी मार्केट को संयोजक बनाया गया है। संगिनी फारम जेएसजी मेट्रो की संस्थापक अध्यक्ष दीपिका जैन कोटखावदा एवं अध्यक्ष अम्बिका सेठी ने बताया कि सेमीनार में डा.कार्तिक रस्तौगी एवं डॉ आशुतोष जैन अपनी सेवाएं देंगे।सेमीनार में कई तरह के लक्की ड्रा रखे गये है।

कलयुग में ईश्वर नाम से बढ़कर और कुछ नहीं: श्याम सुंदर गोस्वामी

संसार में मनुष्य दुःखी है, तो अपनी तृष्णा और इच्छाओं से: साध्वी प्रीतिसुधा

भीलवाड़ा. शाबाश इंडिया। मनुष्य की तृष्णा और इच्छाओं का कोई अंत नही है।शनिवार को अहिंसा भवन शास्त्री नगर मे साध्वी प्रीतिसुधा ने सैकड़ों श्रध्दालुओं को सम्बोधित करतें हुए कहा कि मनुष्य संसार मे दुःखी है तो अपनी तृष्णा और लालसाओं के कारण।तृष्णा को मनुष्य जीवन भर भी पुरा करे तो वह समाप्त नही होने वाली है दुखः का मूल कारण भी मनुष्य की तृष्णा ही है।जब तक मनुष्य का मन को इंद्रियों के भोगों और विषय विकारों से पूरी तृप्ति प्राप्त नहीं हो जाता है,तब तक ये मन कभी भी सांसारिक वस्तुओं की इच्छाओं व तृष्णा से मुक्त नहीं हो सकता है।अपनी इच्छाओं और तृष्णा पर जो व्यक्ति अंकुश लगा लेगा वह संसार मे सुखी बन जाएगा।इन्द्रियो को वश मे करने वाला पुरूष ही अपनी तृष्णा और लालसाओं पर कन्ट्रोल करके सुखो को प्राप्त कर पाएगा।साध्वी मधूसुधा ने कहा कि मनुष्य की आकांक्षाएं व इच्छाएं ऐसी लंबी नदी सरीखी हैं,जिसके ओर-छोर का कोई पता नहीं लगा सकता है ।मनुष्य कि इन्द्रियों कि शक्ति क्षीण हो जाती है।परन्तु उसी तृष्णा खत्म होने वाली नहीं है।सभी दुःखो की जड़ है,तो वह तृष्णा ही है।अगर मनुष्य मन को साध ले तो इच्छा ओं औंर तृष्णा पर विजय प्राप्त कर सकता हैं।धर्मसभा में शहर के कहीं उपनगरों के भाई बहनों के साथ अहिंसा भवन के अध्यक्ष लक्ष्मणसिंह बाबेल,अशोक पोखरना,हेमन्त आंचलिया,कुशल सिंह बूलिया,रिखबचन्द पीपाड़ा, प्रेमचन्द कोठारी, सुशील चपलोत,राजकुमार जैन, श्रीपाल तातेड़, प्रसन्नचन्द कटारिया,पारसमल बाबेल एवं चंदनबाला महिला मंडल की रजनी सिंघवी,मंजू बाफना,वंदना लोढा, सरोज मेहता, उमा आंचलिया आदि सभी की उपस्थिति रही। निलिप्का जैन बताया कि इसदौरान धार्मिक प्रतियोगिता मे भाग लेने वाली बहनों को साध्वी मंडल के सानिध्य मे पारितोषिक दिये गये।

प्रवक्ता निलिप्का जैनः अहिंसा भवन शास्त्री नगर भीलवाड़ा

भागवत कथा में आज मनेगा नंदोत्सव

जयपुर. शाबाश इंडिया

व्यापार मंडल मंदिर श्री लक्ष्मीनारायण,बाई जी के बैनर तले बड़ी चोपड़ स्थित मंदिर श्री लक्ष्मीनारायण बाई में चल रहे श्रीमद भागवत कथा ज्ञानयज्ञ महोत्सव में शनिवार को व्यासपीठ से वृंदावन नंदगांव के परम पूज्य श्याम सुंदर गोस्वामी जी ने कहा कि कलयुग में ईश्वर नाम से बढ़कर और कुछ नहीं है।ईश्वर का नाम लेने से सारे कष्टों का निवारण होता है ,साथ ही हृदयरूपी कमल खिल जाता है। भक्त के भाव को केवल ईश्वर ही समझ सकते है।इसीलिए जीव को अपना दुख संसार के सामन नहीं केवल प्रभु के सामने ही प्रकट करना चाहिए।प्रभु पालनहार है,वे शरण में आए भक्तों के दुख हर लेते है। उन्होंने आगे कहा कि भगवान का परम भक्त प्रहलाद जिसे उसके पिता हिरण्यकश्यप ने अति भयंकर कष्ट दिए,यहां तक कि प्रहलाद को हिरण्यकश्यप ने जहर पिलाया,हाथी से कुचलवाया,अग्नि में जलाया,इस तरह की कई यातनाएं दी,परंतु श्री प्रहलाद जी को हर जगह अपने प्रभु के दर्शन करते और उन्हें कहीं भी पीड़ा का अहसास नहीं होता। उन्हे विश्वास था कि हमारे प्रभु सर्वत्र विराजमान रहते है, इसीलिए प्रभु भक्त के पूर्ण विश्वास को देखकर खंभ से प्रकट होकर यह दिखा दिया कि भक्त की इच्छा को पूर्ण करने के लिए वे कहीं भी और किसी भी रूप में प्रकट हो जाते हैं। उन्होंने आगे कहा कि जिसके उपर प्रभु का हाथ हो,उसका कोई भी बालबांका नहीं कर सकता।हम सभी को अपने जीवन में भक्त प्रहलाद जैसी भक्ति करनी चाहिए,जीवन में कितना भी संकट या विपत्ति ही क्यों ना आएं,कभी भी धर्म का मार्ग और भक्ति का मार्ग नहीं छोड़ना चाहिए। जीवन में सदैव निष्काम भाव से भक्ति करना चाहिए। उन्होंने आगे कहा कि जीवन में जब भी बोलो,सदैव सोच समझकर बोलो और प्रेम से बोलो,हित-मित और प्रिय वचन बोलो,ऐसे वचन नहीं बोलो,जिससे किसी का अहित हो व्यापार मंडल मंदिर श्री लक्ष्मीनारायण, बाई जी के अध्यक्ष श्रीराम शर्मा व मंत्री महेन्द्र शर्मा ने बताया कि इस मौके पर चंदाराम गुर्जर हनुमान सोनी,दिनेश शर्मा,जय कुमार सोनी,दिलीप अग्रवाल, प्रवीण अग्रवाल,बाबू लाल सोनी व मनीष नागौरी सहित अन्य लोग मौजूद रहे। उन्होंने बताया कि महोत्सव के तहत रविवार को गजेन्द्र मोक्ष,श्री राम जन्म के बाद भगवान श्रीकृष्ण का जन्मोत्सव नंदोत्सव के रूप

में मनाया जाएगा। महोत्सव के तहत 7 को भगवान श्रीकृष्ण की बाल लीला,कालिया मर्दन के बाद गिर्राज पूजन व 56 भोग की झांकी सजाई जाएगी।महोत्सव के तहत 8 को श्री रास पंचाध्यायी,उद्धव गोपी संवाद,कंस उद्धार व रूकमणि विवाह के बाद अंतिम दिन 9 को सुदामा चरित्र,परीक्षित मोक्ष व भागवत पूजन के साथ कथा की पूर्णाहुति होगी।अंतिम दिन 10 को सुबह 10 हवन के साथ कथा की पूर्णाहुति होगी। कथा रोजाना दोपहर 2 बजे से साम 6 बजे तक होगी।

वेद ज्ञान

धैर्य की कमी निराशा का मुख्य कारण

क्या निराशा से बचा जा सकता है? वर्तमान माहौल में कोई निराश हुए बगैर कैसे रह सकता है? इस समस्या से आज का मानव पीड़ित है। इस संदर्भ में प्रश्न है कि निराशा क्यों आती है? निराशा का कारण क्या है? निराशा के अनेक कारण हो सकते हैं। एक कारण धैर्य की कमी है। एक बीज अपने भीतर सब्र का डालें और उसे फलने-फूलने का मौका दीजिए। आप पाएंगे कि आपकी निराशा और दुख का दौर बदल रहा है। जीवन रोज नया है, बस उसे पहचानने के लिए सब्र रखें। निराशा क्यों? एक व्यक्ति ने श्रम किया, दिन-रात एक कर दिया, व्यापार को जमाने के बहुत प्रयास किए, पर सफल नहीं हुआ। इस स्थिति में निराशा ही आएगी। एक विद्यार्थी बहुत मेहनत करता है। फिर भी दूसरे विद्यार्थी आगे निकल गए, वह पिछड़ गया। परीक्षा दी और उसमें फेल हो गया। उदास और निराश हो गया। अनेक लोग कहते हैं कि मैंने बहुत श्रम किया, किंतु सफलता नहीं मिली। उसने कुछ नहीं किया फिर भी सफल हो गया। उन्हें यह सोचना चाहिए -बहुत पुरुषार्थ किया, किंतु यह भी देखो- आपका स्वभाव कैसा है? नियति कैसी है? समय अनुकूल है या प्रतिकूल है? काल अनुकूल होता है तो थोड़े में सफलता मिल जाती है। यह प्रतिकूल होता है तो बहुत श्रम करने पर भी सफलता नहीं मिलती। समय और स्थिति सदा एक जैसी नहीं रहती। वह बदलती रहती है। जो इस प्रकार धैर्य रखता है, वह निराश नहीं होता। महानतम वैज्ञानिक आइंस्टीन ने कहा था कि उनकी ज्यादातर खोजों और आविष्कारों में निन्यानवे प्रतिशत धैर्य और एक प्रतिशत प्रेरणा ने काम किया है। जिंदगी में किसी भी मुकाम को पा लेने से पहले अपने अंदर धैर्य को विकसित करना होता है। सुकरात महान दार्शनिक थे। एक ज्योतिषी उनके पास आया। उसने कहा, मैं आपकी जन्मकुंडली देखना चाहता हूं। सुकरात ने कहा, क्या देखोगे? मैंने तो जन्मकुंडली को बदल दिया है। जिस समय जन्मा था जो ग्रह-नक्षत्र थे, उन्हें अपने पुरुषार्थ से बदल डाला है। यह निश्चित मानें कि व्यक्ति अपने भाग्य को भी बदल सकता है। हम एक सूत्र को पकड़ें। जो भी घटना घटे हम उसकी समग्र कोणों से समीक्षा करें।

संपादकीय

फर्जी डिग्रीयों का बड़ा खेल

अभी विश्वविद्यालय अनुदान आयोग ने बीस फर्जी विश्वविद्यालयों की सूची जारी की और कहा कि इन विश्वविद्यालयों की डिग्रियां कहीं भी मान्य नहीं होंगी। इसके पहले भी कई बार गैर-कानूनी तरीके से चलाए जा रहे विश्वविद्यालयों की पहचान कर उन्हें फर्जी घोषित किया जा चुका है। एक समय था, जब छत्तीसगढ़ में विश्वविद्यालयों की बाढ़-सी आ गई थी। तब सौ से ऊपर विश्वविद्यालयों को फर्जी करार दिया गया था। उसके अलावा भी कई मौकों पर विश्वविद्यालय और मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय यानी डीम्ड यूनीवर्सिटी की तख्ती टांग कर डिग्रियां बांटने वाले संस्थानों पर नकेल कसने की कोशिश की गई है। इस बार जिन बीस विश्वविद्यालयों को फर्जी बताया गया है, उनमें से सबसे अधिक आठ दिल्ली में चल रहे हैं। इसी तरह उत्तर प्रदेश, आंध्र प्रदेश, पश्चिम बंगाल में भी फर्जी विश्वविद्यालयों की पहचान की गई है। अब यूजीसी के फैसले के बाद इन विश्वविद्यालयों की डिग्रियों का कोई मोल नहीं रह

गया है। न तो उनके आधार पर विद्यार्थी कहीं और दाखिला ले सकते हैं और न किसी नौकरी के लिए आवेदन कर सकते हैं। इस तरह न जाने कितने युवाओं का भविष्य अंधकारमय हो गया है। उनके धन और समय की बबार्दी हुई, सो अलग। दरअसल, फर्जी विश्वविद्यालयों और शैक्षणिक संस्थानों का उदय इसलिए होता है कि हमारे देश में आबादी के अनुपात में सरकारी विश्वविद्यालयों और शैक्षणिक संस्थानों की बहुत कमी है। फिर निजी पूंजी से चल रहे विश्वविद्यालयों और संस्थानों में फीस इतनी अधिक होती है कि उसे वहन कर पाना सामान्य आयवर्ग के बूते की बात नहीं होती। ऐसे में हर साल लाखों विद्यार्थियों के सामने संकट पैदा हो जाता है कि किसी विश्वविद्यालय या संस्थान में दाखिला न मिल पाने के कारण उनका साल बर्बाद चला जाएगा। हालांकि विश्वविद्यालयों ने पत्राचार के माध्यम से पढ़ाई की सुविधा भी उपलब्ध करा रखी है, देश में कई जगह मुक्त विश्वविद्यालय भी खुल गए हैं, मगर बहुत सारे विद्यार्थियों को लगता है कि संस्थानों में नियमित पढ़ाई ही सबसे बेहतर व्यवस्था है। मुक्त विश्वविद्यालयों और पत्राचार से हासिल डिग्री को नौकरियों में उतनी तरजीह नहीं दी जाती। फिर आजकल आम धारणा बन चुकी है कि जिनके पास तकनीकी शिक्षा की डिग्री नहीं, उनके सामने रोजगार का संकट रहेगा। ऐसे में परिवार वाले भी चाहते हैं कि उनके बच्चे किसी न किसी विश्वविद्यालय या संस्थान से तकनीकी शिक्षा की डिग्री हासिल करे। अभिभावकों और विद्यार्थियों की इन्हीं चिंताओं का लाभ ये फर्जी विश्वविद्यालय उठाते हैं। विश्वविद्यालय खोलने के लिए कुछ नियम-कायदे तय हैं। सरकारी विश्वविद्यालय खोलने के लिए संसद या विधानसभा में प्रस्ताव पारित कराना पड़ता है। निजी विश्वविद्यालयों को परिसर, कक्षाओं, सभागारों, प्रयोगशालाओं आदि का नक्शा पास कराना पड़ता है। उनके लिए आकार आदि तय हैं। फिर पाठ्यक्रमों को मान्यता प्रदान की जाती है, उसके लिए भी अध्यापकों आदि की योग्यता देखी जाती है। मगर इतनी तकनीकी बारीकियां सामान्य लोगों को नहीं पता होतीं।

-राकेश जैन गोदिका

परिदृश्य

नाकामी!

हरियाणा के नूंह और फिर आसपास के इलाकों में फैली हिंसा के बाद वहां के मुख्यमंत्री मनोहरलाल खट्टर के बयान पर स्वाभाविक ही उनकी जवाबदेही को लेकर सवाल उठने लगे हैं। उन्होंने कहा कि हर व्यक्ति की सुरक्षा पुलिस द्वारा सुनिश्चित करना संभव नहीं होता। यह बयान उन्होंने एक ऐसे मौके पर दिया है, जब दंगाई भीड़ छह लोगों की जान ले चुकी है, सैकड़ों वाहन और कई घर-दुकानें आग के हवाले कर चुकी है। अब गुरुग्राम, पलवल, फरीदाबाद जैसे दिल्ली से सटे संभ्रांत कहे जाने वाले शहर भी इस उन्माद की जद में आ चुके हैं। अगर वहां की सरकार का मुखिया ऐसी बात कह कर पुलिस की जिम्मेदारियों पर पर्दा डालने का प्रयास करता है, तो जाहिर है, इससे दंगाइयों का मनोबल और बढ़ेगा ही। पहले ही इस हिंसा के पीछे सरकार के मौन समर्थन के आरोप लग रहे थे, खट्टर ने यह बयान देकर जैसे उसे पुख्ता करने का ही काम किया है। हालांकि यह पहला मौका नहीं है, जब खट्टर ने ऐसे अतार्किक बयान देकर अपने पर हमले आमंत्रित किए हैं। कई बार तो यही लगा है कि वे बोलने के बजाय मौन ही रहते तो अच्छा था। मगर शायद उन्हें इसकी परवाह नहीं कि सरकार का मुखिया होने के नाते कब क्या बोलना चाहिए और कब क्या नहीं बोलना चाहिए। नूंह की हिंसा पर उनके उपमुख्यमंत्री दुख और चिंता प्रकट कर चुके हैं। उनकी पार्टी के केंद्र में मंत्री और हरियाणा से एक सांसद ने भी इस पर सवाल खड़ा किया है कि धार्मिक यात्रा में लोगों को हथियार लेकर चलने की इजाजत किसने दी। इसके बावजूद अगर खट्टर को लगता है कि पुलिस हर आदमी को सुरक्षा नहीं दे सकती, तो इससे उनकी प्रशासनिक लापरवाही स्पष्ट होती है। पुलिस का काम ही है हर नागरिक को सुरक्षा देना। ऐसा वातावरण बनाना, जिससे आपराधिक प्रवृत्ति के लोग समाज में गड़बड़ी पैदा करने से पहले कई बार सोचें। हर व्यक्ति को सुरक्षा देने का मतलब यह नहीं होता कि हर आदमी के साथ पुलिस का एक सिपाही तैनात कर दिया जाए। पुलिस की जिम्मेदारी बेहतर कानून-व्यवस्था सुनिश्चित करना है। मगर खट्टर इसके उलट बात कह रहे हैं। अब तो नूंह की घटना के अनेक चित्र सामने आ चुके हैं, जिनमें यात्रा निकालने से पहले ही हिंसा भड़काने की तैयारियां साफ नजर आती हैं। जिस मोनू मानेसर का हाथ इस हिंसा के पीछे बताया जा रहा है, उसके वीडियो कई दिन पहले से प्रसारित हो रहे थे। स्वाभाविक ही सवाल उठ रहे हैं कि जब यात्रा से पहले ही लोग हिंसा की आशंका जताने लगे थे, तो फिर पुलिस को इसका अंदाजा कैसे नहीं हो पाया। अगर मान भी लें कि यात्रा निकालने वालों ने पुलिस को इस बात की ठीक-ठीक जानकारी नहीं दी थी कि उस यात्रा में कितने लोग शामिल होंगे, तो क्या पुलिस इस बात से भी अनजान थी कि यात्रा के दौरान किस तरह की स्थिति पैदा हो सकती है। अव्वल तो पुलिस की जिम्मेदारी होती है कि वह हिंसा की संभावना वाले क्षेत्रों और स्थितियों की पहचान खुद कर उससे बचने के उपाय करे। मगर नूंह में तो सब कुछ पहले से स्पष्ट होने के बावजूद वह हाथ पर हाथ धरे बैठी रही। तिस पर अगर मुख्यमंत्री पुलिस की नाकामियों को ढंकने का प्रयास कर रहे हैं, तो यह किसी भी रूप में एक जिम्मेदार सरकार की निशानी नहीं कही जा सकती।

संगिनी फारम जेएसजी मेट्रो का सेवा के क्षेत्र में अनूठा कदम

शिक्षा से वंचित बच्चों को साक्षर करने का शुरू किया अभियान

जयपुर. शाबाश इंडिया। मानव एवं समाज सेवा के क्षेत्र में अग्रणी संगिनी फारम जेएसजी मेट्रो की सदस्याओं ने सेवा के क्षेत्र में अनूठा कदम उठाते हुए शिक्षा से वंचित बच्चों को साक्षर करने का अभियान शुरू किया है। संस्थापक अध्यक्ष दीपिका जैन कोटखावदा एवं अध्यक्ष अम्बिका सेठी ने बताया कि संगिनी फारम जेएसजी मेट्रो की निवर्तमान अध्यक्ष मैना जैन गंगवाल के सहयोग से शिक्षा से वंचित बालक बालिकाओं को साक्षर करने के उद्देश्य को लेकर बच्चों को पढ़ाने का कार्य शुरू किया गया है। इस अभियान में 20 -25 बच्चे प्रतिदिन आ रहे हैं । उपाध्यक्ष नीतू जैन मुल्तानी एवं सचिव रेखा पाटनी ने बताया कि अभियान के अन्तर्गत शनिवार को बच्चों से महल योजना के पार्क में मीठा नीम,तुलसी के पौधे लगवाये । निवर्तमान अध्यक्ष मैना जैन गंगवाल ने बताया कि महल योजना के पार्क में संचालित इस साक्षर पाठशाला में शनिवार को श्री मुनिसुव्रत नाथ दिगम्बर जैन महिला मंडल महल योजना की सचिव मोना जैन बच्चों से रूबरू हुई और सभी बच्चों को कापियां इत्यादि स्टेशनरी वितरित की गई साथ ही बच्चों को कपड़े भी वितरित किए गए। इस मौके पर बड़ी संख्या में सदस्याओं ने उपस्थिति दर्ज कराई।

इस असार संसार में कोई किसी का नहीं हैं : आचार्य विनिश्चय सागर

मनोज नायक.शाबाश इंडिया

भिण्ड। जिन्दगी बहुत छोटी है, लेकिन बहुत महत्वपूर्ण हैं । मनुष्य पर्याय हमें पुण्य से मिली है। हम इस मानव पर्याय को, अपने जीवन को यू हीं व्यतीत न करें । हमें जीवन अनुशासित तरीके से संयम पूर्वक वास्तविकता में जीना चाहिए । हमें जीवन कैसे जीना है, ये आना चाहिए । हमको इसे जीना आना चाहिए । लोग दुखी क्यों होते हैं, क्यों अवसान में चले जाते हैं? क्यों दूसरों को कोसते हैं ? इस सबका कारण ये है कि हम वास्तविकता को नहीं समझ पाएं । उक्त विचार बाक्केशरी आचार्य श्री विनिश्चयसागर जी महाराज ने बताशा बाजार भिण्ड के जैन मंदिर में धर्म सभा को संबोधित करते हुए व्यक्त किए। पूज्य आचार्य श्री ने कहा कि लोगों के दुखी होने का कारण हैं दूसरों पर भरोसा, बस्तुओं पर भरोसा । जबकि इस संसार का परम सत्य है कि कोई किसी का नहीं हैं। बस इन पंक्तियों को अपने दिल व दिमाग में बसा लेना चाहिए । जो चाहिए, वह नहीं मिला तो आप दुखी हो जाते हैं, अरे विचार तो करो कि वो वस्तु या वो व्यक्ति तुम्हारे भाग्य में होता तो कुछ भी कोई करले, तुमसे अलग नहीं कर सकता और अगर कोई वस्तु या व्यक्ति आपका नहीं हो सका वह आपके भाग्य में था ही नहीं। आप कितने भी प्रयत्न कर लेना, कितने भी हाथ पांव मार लेना, कितना भी पुरुषार्थ कर लेना, कुछ भी कर लेना, लेकिन भाग्य से ज्यादा मिल ही नहीं सकता। ऐसे में दुखी होने का तो कोई प्रश्न ही नहीं उठता । दुखी करता है आपको आपका अज्ञान, को उस व्यक्ति या वस्तु को आपका महसूस कराता है जबकि वो आपका हो ही नहीं सकता । सही अर्थों में यदि कहा जाए तो बास्तविकता कभी किसी को दुखी नहीं होने देती।

एग्जीबिशन 'वात्सल्य' मे दिखी क्रिएटिव स्टोन राखिया

जयपुर. शाबाश इंडिया। दो दिवसीय क्रिएटिव राखी और लाइफस्टाइल एग्जीबिशन 'वात्सल्य' कि शुरूआत शनिवार को हुई। आयोजक भानुप्रिया जैन एवं रीना जैन ने बताया की मुहाना मंडी स्थित अनुकम्पा प्लेटिना मे चल रही एगजीबीशन का उद्घाटन लीनेस क्लब स्वरा की अध्यक्षा स्वाति जैन ने दीपप्रज्वलन के साथ किया। मुख्य अथिति बेला शर्मा रही। इस एग्जीबीशन मे डिजाइनर सूट, लहरिया साडिया आगुन्ताको को पसंद आ रही है। एजीबिशन कि स्पेशल अट्रैक्शन एंटीक स्टोन कि बनी राखिया है। इस अवसर पर एग्रो केयर कि डायरेक्टर अंजू जैन, सीकर डेरी के प्रबंध संचालक डॉ. राजीव जैन, जया , रेखा सेठी और ममता जैन भी उपस्थित रही।

विमर्श जागृति मंच को आचार्य श्री आर्जव सागर जी की पूजन का सौभाग्य मिला

अशोक नगर. शाबाश इंडिया। आज शनिवार को विमर्श जागृति मंच को नगर में ससंघ चातुर्मासरत श्रमणाचार्य 108 श्री आर्जव सागर जी की पूजन करने का सौभाग्य प्राप्त हुआ । प्रातःकाल भारी संख्या में सदस्यों ने पूजन में सम्मलित होकर धर्म लाभ लेकर पुण्यार्जन किया। अध्यक्ष अनिल जैन 'भारत' एवं मंत्री प्रमोद जैन 'मोहरी' ने बताया कि विमर्श जागृति मंच के सदस्यों ने श्री जी का अभिषेक एवं शांति धारा की ततपश्चात श्रमणाचार्य 108 श्री आर्जव सागर जी की संगीत मय पूजन अष्ट द्रव्य के थाल सजाकर पूर्ण भक्तिभाव से की गई। सभी श्रद्धालु अति उत्साह से पूजन कर रहै थे, जिनमें राष्ट्रीय कार्याध्यक्ष सुभाष जैन कैंची, राष्ट्रीय उपमंत्री विनोद भारिल्ल, कार्यकारी अध्यक्ष विशाल जैन बांझल, कोषाध्यक्ष सुनील जैन सिन्नी,डॉ. डी. के.जैन,प्रमोद छाया,अनिल जैन,मंजू,मनीष महाना,चंद्रकुमार, अनूप,चंद्रेश,संजय, अशोक,सहित अन्य बंधुओं ने प्रमुख रूप से कार्यक्रम में सहभागिता की। विमर्श जागृति महिला मंच की अध्यक्ष प्रीति मोहरी ,वैशाली बाँझल,पूजा देरखा भी उपस्थित रहीं।

कोठारी संगीत कक्ष का लोकार्पण समारोह संपन्न

अमित गोधा. शाबाश इंडिया

ब्यावर। श्री वर्द्धमान शिक्षण समिति द्वारा संचालित श्री वर्द्धमान कन्या पी.जी. महाविद्यालय में नवनिर्मित आधुनिकतम संगीत कक्ष का लोकार्पण किया गया । संगीत कक्ष के निर्माण प्रेरक स्व. श्री धनराज जी कोठारी की धर्मपत्नि श्रीमती पिस्ता देवी कोठारी द्वारा फीता काटकर महाविद्यालय को कोठारी संगीत कक्ष समर्पित किया गया । श्री वर्द्धमान शिक्षण समिति द्वारा इस अवसर पर भामाशाह परिवार व अतिथियों का स्वागत एवं सम्मान समारोह आयोजित किया गया । भामाशाह रतनप्रकाश कोठारी, अनमोल कोठारी को समिति अध्यक्ष शांतिलाल नाबरिया, सचिव डॉ. नरेन्द्र पारख एवं प्राचार्य डॉ. आर. सी. लोढ़ा ने माल्यार्पण एवं साफा पहनाकर अभिनंदन किया । कोठारी परिवार की प्रमुख श्रीमती पिस्ता देवी कोठारी को अकादमिक प्रभारी डॉ. नीलम लोढ़ा ने माल्यार्पण कर एवं शॉल ओढ़ाकर अभिनंदन किया । श्री वर्द्धमान शिक्षण समिति के मंत्री डॉ. नरेन्द्र पारख ने अपने उद्बोधन में भामाशाह परिवार के शिक्षण सहयोग के प्रति कृतज्ञता ज्ञापित करते हुए शिक्षण संस्थान व शिक्षा के क्षेत्र में परिवार की उदारता पर प्रकाश डाला । प्राचार्य डॉ. आर. सी. लोढ़ा ने भामाशाह परिवारों के सहयोग से निरन्तर विकास की ओर अग्रसर महाविद्यालय की भौतिक एवं शैक्षणिक प्रगति का उल्लेख करते हुए बताया कि महाविद्यालय शीघ्र ही राज्य स्तर पर अपनी अद्वितीय पहचान बनाते हुए नवीन कीर्तिमान स्थापित करेगा । इस अवसर पर चैन्नई निवासी सम्पत राज, कमल कुमार, राहुल कुमार गौतम चन्द कोठारी तथा दुलराज मकाणा व रमेश मेड़तवाल द्वारा द्वारा कक्षा कक्षों के नवीनीकरण एवम्-स्मार्ट क्लास हेतु 3 - 3

लाख रुपये के अर्थसहयोग की घोषणा की । श्री वर्द्धमान शिक्षण समिति के उपाध्यक्ष गौतम चन्द बोहरा, प्रकाश चन्द गदिया, सह सचिव सुनील कुमर ओस्तवाल, प्रचार मंत्री दीप चन्द कोठारी एवं प्रबन्धकारिणी के सदस्य उत्तमचंद देरासरिया, देवराज लोढ़ा, चन्दू लाल कोठारी एवं रवीन्द्र लोढ़ा सहित सभी संकाय सदस्य उपस्थित रहे । कार्यक्रम का संचालन श्रीमती निधी पंवार ने किया ।

आर्यिका श्री विज्ञाश्री माताजी ने कहा...

मानव की कीमत मानवता से

गुंशी/निवाई। प. पू. भारत गौरव श्रमणी गणिनी आर्यिका रत्न 105 विज्ञाश्री माताजी ससंघ का 29 वां साधनामय चातुर्मास श्री दिगम्बर जैन सहस्त्रकूट विज्ञातीर्थ में हो रहा है । गुरु माँ के सान्निध्य में शनिवार के दिन श्री मुनिसुव्रतनाथ भगवान की शांतिधारा करने का सौभाग्य राजेश बंटी झांझरी निवाई वालों ने प्राप्त किया । गुरु माँ के दर्शनार्थ रिटायर्ड जज नरेंद्र जैन निवाई वाले पधारे तथा गुरु माँ का भरपूर आशीर्वाद प्राप्त किया। तत्पश्चात गुरु मां ने प्रवचन देते हुए कहा कि जिस प्रकार फूलों की कीमत उसकी सुगन्ध से होती है उसी प्रकार मानव की कीमत उसके गुणों से है। मानवता के बिना मनुष्य, मानव नहीं कहलाता अपितु दानव कहलाता है। भारत देश की सुरक्षा का प्रथम पहलु मानवता है। यही वह गुण है जो मानव के परस्पर वात्सल्य प्रेम का संबंध कायम रखने में सहायक है। आगामी 6 अगस्त 2023 को विशद छाया मंच जयपुर की समाज की ओर से लगभग 60 -70 लोगों के द्वारा श्री शांतिनाथ महामंडल का आयोजन होगा। उनके पुण्य की अनुमोदना करने के लिए सभी पधारकर धर्म लाभ लें।

ईर्ष्या नहीं करना है...

हर गरीब को अमीर आदमी को शगुन मानना है, ईर्ष्या नही करना,बाजू की हवेली को शगुन मानो कि मेरे पड़ोस में एक पुण्यात्मा रहता है,जिसने कभी मन्दिर बनाये होंगे,जल्द ही तुम भी अमीर बनने की श्रेणी में होंगे: निर्यापक मुनिपुंगव श्री सुधासागर जी महाराज

शाबाश इंडिया। जीवन जब उलझी हुई पहेली बन जाती है तब व्यक्ति किंकर्तव्यविमूढ़ हो जाता है और जब जीवन की पहेली सुलझ जाती है तो जीवन किसी भी अवस्था मे हो आनंद ही आनंद आ जाता है। जीवन की गुत्थियां कोई न सुलझा सकता,स्वयं ही सुलझाना पड़ेगी।गुरु मात्र सुलझाने की विधि बता सकते है, शास्त्र जीवन की समस्याओं के समाधान बता सकते है लेकिन विपरीतताओं को अनुकूलता में हमे स्वयं ही बदलना होगा। जिंदगी का सबकुछ लुटाकर के यदि किसी की एक दिन की जिंदगी बढ़ा सकते है तो सबकुछ लुटाके बढ़ा देना। जिस जीव के प्रति तुम्हारा कोई भी सम्बन्ध नही है उस जीव के प्रति तुम्हारा ये भाव आ जाये कि डॉ.साहब एक बार इसकी आँख खुलवा दो,एक मिनिट भी यदि जिंदा रहता है तो मैं 10 लाख देने को तैयार हूँ, किसी अपरिचित को, किसी गुणी को, किसी धर्मात्मा को, तुम्हारा कोई स्वार्थ, ममत्वभाव नही है। जैसे ही तुमने ऐसा भाव किया उसी समय तुम्हे ऐसा कर्म का बन्ध हो गया कि अब कभी भी तुम अकाल में नही मरोगे, ट्रेन तुम्हारे ऊपर से निकल जायेगी, सबकुछ खत्म हो जाएगा तुम सकुशल निकल आओगे। ऐसा एक भी व्यक्ति नही है जिसको मरने का दुःख न हो,ये डर सबसे बड़ा खतरनाक है,सारे डरो का इलाज है लेकिन मौत का कोई इलाज नही है। संसार का सबसे बड़ा सम्राट वह है जिसको मौत का भय न हो। पंचमकाल में मुनि बनना दुलर्भतम दुर्लभ है,कुन्दकुन्द भगवान ने कहा कि भय से मुक्त हुए या नही।7 भय -इह लोक भय-दुनिया क्या कहेगी, दुनिया क्या करेगी, दुनिया क्या सोच रही है। परलोक भय-यदि मर गया तो कहा जाऊँगा। पता नही मेरी गति क्या होगी। जिस व्यक्ति ने जीवन मे कोई धर्म न किया हो उसको परलोक का भय बहुत सताता है। गुप्ति भय- कंही मेरे कोई पाप उजागर न हो जाये,मेरे हृदय मे क्या चल रहा है कोई वांच न ले।तुम्हारी जिदंगी में कोई न कोई एक बात ऐसी जरूर है जिसको तुम छुपाए बैठे हो। माँ-बाप से छिपाकर बैठे हो,उनसे छिपा रहे हो जिन्होंने जन्म दिया।अरे गुरु और माँ-बाप के सामने हर व्यक्ति नंगा रहता है। कितने लोग है जो माँ-बाप से छुपाकर के ससुराल में जमा करते है,जन्म देने वाले माँ बाप से ज्यादा विश्वास किसका है,एक दिन वो आएगा कि तुम्हारे पास छिपाने लायक भी नही रहेगा। कभी देव-शास्त्र-गुरु के सामने गरीब मत बनना।कभी बड़ो से लेने का भाव नही करना।खासतौर से अपने खर्च के लिए। अपने से अधिक उम्र वालो से कभी पैर नही छुआना चाहे वह कोई भी क्यों न हो। जैनियों का भगवान खाता नही और दूसरों को भी खाने नही दे अर्थात वो वस्तु निर्माल्य हो जाती है। क्यों नही जाता जैनी मंदिर खाली हाथ। मात्र एक कारण है कि कंही भगवान को ये न लग जाये कि मैं गरीब हूँ। प्रत्येक स्त्री को अपने पति से, अपने बेटे से कुछ न कुछ छिपाकर जरूर रखना चाहिए।ये दोष नही है,बस उड़ाऊ-खाऊ नही होना चाहिए। वक्त मौका पर वही काम आता है। तुम्हारे पास में झोपड़ी है,झोपड़ी भी फटी है बरसाती है और बाजू में किसी के सेठ की हवेली बनी हुई है।कोई तुमसे पूछे तुम बहुत भाग्यहीन हो,तुम जन्म जन्म के पापी हो,तुम्हारे पास झोपड़ी है वो भी फटी हुई।तुम कहना कि मैं यह सब स्वीकार करता हूँ बस एक पुण्य मेरा कि मेरे पड़ोस में एक अमीर आदमी रहता है,जब वो सामने से निकलता है मैं कहता हूँ कि ये है जन्म जन्म का धर्मात्मा,जन्म जन्म का दानी।मेरा शगुन हो जाता है। हर गरीब को अमीर आदमी को शगुन मानना है,ईष्या नही करना,बाजू की हवेली को शगुन मानो कि मेरे पड़ोस में एक पुण्यात्मा रहता है,जिसने कभी मन्दिर बनाये होंगे। अपने से अधिक पुण्यात्मा को,अधिक गुणवान को पीठ मत दिखाना।हम से अधिक करने वाले से ईष्या नही,उसको अभाव नहीं करना है,उसके प्रति प्रमोद भाव लाना है।

संकलनः विनोद छाबड़ा ''मोनू'' एवम शुभम जैन 'पृथ्वीपुर'

पूर्णिमा पर गुरू आशीष से अंतर्मना गुरुभक्त परिवार निर्देशिका का विमोचन हुआ

देशभर के गुरुभक्त परिवार की जानकारी एक ही जगह उपलब्ध

उदगांव. शाबाश इंडिया। पूर्णिमा पर वर्तमान के परम तपश्वि दिगम्बर जैन सन्त अंतर्मना आचार्य श्री 108 प्रसन्न सागर जी महाराज के हाथो से अंतर्मना गुरुभक्त परिवार निर्देशिका का विमोचन हुआ। जहाँ अब सम्पूर्ण देशभर के अंतर्मना गुरुभक्त परिवार की जानकारी उक्त निर्देशिका में उपलब्ध रहेगी। जानकारी देते हुए गुरु भक्त व अन्तर्मना स्वर्णिम जन्मजयंती महोत्सव मीडिया प्रभारी पीयूष कासलीवाल नरेंद्र अजेमरा ने बताया कि उक्त निर्देशिका का सफल संकलन डॉक्टर संजय जैन इंदौर ने किया। वहीं अपनी अथक मेहनत प्रयास से देशभर के गुरुभक्तों की सम्पूर्ण जानकारी विकल्प सेठी सोनकच्छ व नितेश पाटनी इचलकरंजी ने एकत्रित करते हुए लगभग 8 माह में ही उक्त निर्देशिका के स्वरूप को सबंधित प्रदेश के नक्शे, जनसंख्या एवं गुरुभक्तो की सम्पूर्ण जानकारी को ध्यान में रखते हुए तैयार किया गया है । गुरुदेव ने उक्त निर्देशिका को देखते हुए अपना मंगल आशीर्वाद सहयोगी भक्तो को देते हुए कहा कि ये एक बहुत बड़ी सफल उपलब्धि है। जो आपस में एक दूसरे गुरुभक्तों के सहयोग के काम आएगी। अब भारत एवं दुनियाभर के सभी क्षेत्रों के अंतर्मना गुरु भक्तों की संपूर्ण जानकारी इस निर्देशिका मे रहेगी साथ ही नवीने जुड़ने वाले भक्तो की जानकारी भी समयनुसार बड़ा दी जावेगी। **नरेंद्र अजमेरा पियुष कासलीवाल औरंगाबाद**

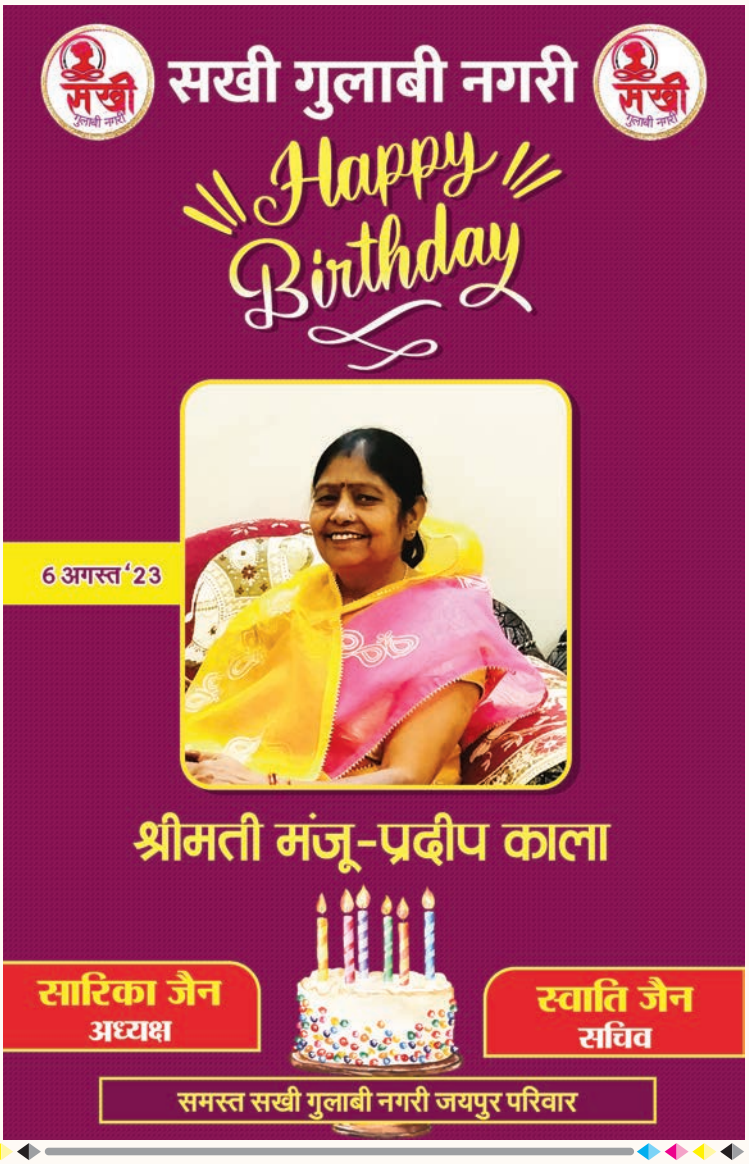

स्वस्थ्य और निरोग जीवन की कल्पना के साथ आचार्य सौरभ सागर के सानिध्य में दो दिवसीय योग शिविर शुरू

जयपुर. शाबाश इंडिया

शहर के प्रताप नगर सेक्टर 8 स्थित शांतिनाथ दिगंबर जैन मंदिर में आचार्य सौरभ सागर महाराज के सानिध्य में शनिवार को प्रातः 6.30 बजे से दो दिवसीय योग शिविर का आयोजन प्रारंभ हुआ। स्वस्थ्य और निरोगी जीवन की कल्पना को लेकर उपस्थित भक्तों ने आचार्य श्री के सानिध्य में योग के माध्यम से कैसे रहे रोगमुक्त और दवामुक्त, कैसे बड़े हमारे परिवार और बच्चों की सोचने-समझने की शक्ति के साथ जीवन जीने का संकल्प लिया गया। मुख्य पांडाल में प्रारंभ हुए शिविर में आचार्य सौरभ सागर महाराज सहित योगाचार्य आलय महाराज एवं मुख्य वक्ता नरेंद्र जैन, आलोक जैन तिजारिया आदि ने योग पर विशेष संबोधन देकर उपस्थित श्रद्धालुओं को जीवन में योग के महत्व बताएं। इस शिविर का समापन रविवार को होगा। जिसकी शुरूवात प्रातः 6.30 बजे योग शिविर से होगी और प्रातः 8.30 बजे आचार्य श्री के आशीर्वचन के साथ संपन्न होगा। शिविर में श्री पुष्प वर्षायोग समिति के गौरवाध्यक्ष राजीव जैन गाजियाबाद वाले, अध्यक्ष कमलेश जैन, मंत्री महेंद्र जैन, मुख्य समन्वयक गजेंद्र बड़जात्या, कार्याध्यक्ष दुगार्लाल जैन, कोषाध्यक्ष धर्मचंद जैन, प्रचार मंत्री सुनील साखुनियां, बाबूलाल जैन इटुंदा, राजेंद्र सोगानी, नरेंद्र जैन आवा वाले, महेश सेठी सहित युवा मंडल और महिला मंडल के विभिन्न पदाधिकारी भी सम्मिलित हुए।

स्वस्थ जीवन जीने की सबसे सुंदर कला और विज्ञान है 'योग' है, प्रत्येक प्राणी को सफल जीवन के लिए योग को अपनाना चाहिए - आचार्य सौरभ सागर

शनिवार को अपने संबोधन में आचार्य सौरभ सागर महाराज ने अपने आशीर्वचन देते हुए कहा की - अगर प्राणी को आत्मज्ञान की प्राप्ति करनी तथा शरीर की सभी प्रकार की परेशानियों से दूर रहना है तो उनको अपने जीवन में योग को महत्व देना चाहिए, योग स्वस्थ जीवन व्यतीत करने की सबसे सुंदर और अद्भुत कला और विज्ञान है। योग को धारण करने वाला प्रत्येक मनुष्य ना केवल अपने मन और आत्मा की अनंत क्षमता को बढ़ाते है बल्कि आत्मज्ञान की प्राप्ति कर अपने जीवन को सरल और सफल भी बनाते है। योग करने के बहुत सारे उदाहरण है अच्छी नींद आती है, शरीर स्वस्थ और तंदुरुस्त रहता है, शांति और आनंद की प्राप्ति होती है, मस्तिष्क एकाग्रचित होकर काम करता है, सदैव अच्छे विचारों को धारण करवाता है। मुख्य वक्ता नरेंद्र जैन ने कहा की - योग वह दवाई है जो इस सृष्टि में कोई दूसरा बना ही नही सकता है, इस दवाई से प्राणी खुद का इलाज स्वयं के प्रयासों से कर सकता है, यह इतना सरल है की कोई कही पर भी अपना सकता है, योग के अपनाने से शरीर ना केवल स्वस्थ रहता है बल्कि यह शरीर को लचीला तथा शक्तिशाली बना सकता है।

आपके विचार

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक राकेश जैन गोदिका द्वारा प्रकाशित दैनिक-ईपेपर 'शाबाश इंडिया' आम पाठक और समाज में जागरूकता फैलाने में सेतू का काम कर रहा है। आप अपने क्षेत्र के समाचार, आलेख, विचार आदि ई-मेल कर सकते हैं या निम्न नंबरों पर वाट्सअप कर सकते हैं।

सम्पादकः राकेश जैन गोदिका
@ 94140 78380, 92140 78380

दैनिक ई-पेपर
शाबाश इंडिया
shabaasindia@gmail.com
weeklyshabaas@gmail.com

अपराधी बेलगाम, महिलाएं ना अस्पताल में सुरक्षित ना एंबुलेंस में: जोशी

भाजपा जिलाध्यक्ष मेवाड़ा का पदभार ग्रहण समारोह, भाजपा प्रदेशाध्यक्ष जोशी वाहन रैली से पहुंचे पद समारोह में

भीलवाड़ा में भाजपा प्रदेश अध्यक्ष सीपी जोशी नवनियुक्त जिला अध्यक्ष प्रशांत मेवाड़ा के तिलक कर पद भार ग्रहण करवाते।

भीलवाड़ा में शनिवार को नवनियुक्त जिला अध्यक्ष प्रशांत मेवाड़ा के पदभार ग्रहण समारोह को सम्बोधित करते भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष सी पी जोशी।

सुशील चौहान. शाबाश इंडिया

भीलवाड़ा। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष सीपी जोशी ने कहा कि आज अपराधिक घटनाओं के कारण राजस्थान रोजाना शर्मसार हो रहा है। राजस्थान में अपराधी बेलगाम हो गए हैं ।आज राजस्थान में महिलाएं ना अस्पताल में सुरक्षित है और ना ही एंबुलेंस मे सुरक्षित। उन्होंने कहा कि बजरी का डंपर जाता है तो पुलिस जग जाती है लेकिन एक बच्ची के साथ दुष्कर्म होता है तो पुलिस सोई रहती है। जोशी ने भीलवाड़ा में किशोरी के साथ गैंगरेप कर जलाने वाली घटना का जिक्र करते हुए कहा कि भीलवाड़ा की घटना ने सब को झकझोर कर रख दिया है। भीलवाड़ा में ही स्टांप पेपर पर बच्चों को बेचने की घटनाएं सामने आई और जब पुलिस से सहायता मांगी जाती है तो बदले में अस्मत मांगी जाती है कितने दुख की बात है कि महिलाओं पर अत्याचार होता है और उसके बाद प्रदेश का मुख्यमंत्री कहता है कि 65 परसेंट बलात्कार की घटनाएं झूठी है तो प्रदेश का सिर शर्म से झुक जाता है। यह बात जोशी ने नवनियुक्त भाजपा जिलाध्यक्ष प्रशांत मेवाड़ा का पदभार ग्रहण समारोह में मुख्य अतिथि पद से बोलते हुए कही ।इससे पूर्व प्रदेशाध्यक्ष जोशी को भदाली खेड़ा से भाजपा युवा मोर्चा कार्यकताओं द्वारा विशाल जुलूस के रूप में वाहन रैली से सुखाडिया सर्कल होते हुए भाजपा जिला कार्यालय पहुंचे। पदभार ग्रहण समारोह में शहर के मुख्य संतों महात्माओं बाबू गिरी महाराज, बनवारी शरण काटीया वाला महाराज, गोपाल दास महाराज, मोहन शरण शास्त्री, आशुतोष शर्मा का सानिध्य आशीर्वाद भी मिला। भाजपा जिला मीडिया प्रभारी महावीर समदानी ने बताया कि जोशी ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के कार्यकाल की तारीफ करते हुए केंद्र की कल्याणकारी योजनाओं के बारे में बताया। इससे पहले समारोह में द्वीप प्रज्वलन किया ।नवनियुक्त भाजपा जिला अध्यक्ष प्रशांत मेवाड़ा को जिला कार्यालय जिलाध्यक्ष चेंबर में पदभार ग्रहण विधिवत मंत्रोच्चार के बीच कराया गया । इस अवसर पर भीलवाड़ा सांसद सुभाष चंद्र बहेड़िया, संभाग अभियान सहप्रभारी अतर सिंह भड़ाना, प्रदेश महामंत्री दामोदर अग्रवाल , प्रदेश उपाध्यक्ष श्रवण सिंह बगड़ी , जिला संगठन प्रभारी रतन लाल गाडरी, कालू लाल गुर्जर,विट्ठल शंकर अवस्थी ,लादू लाल तेली गोपी मीणा ,जबर सिंह सांखला, बरजी बाई भील,बालू राम चौधरी, रामलाल गुर्जर, लक्ष्मी नारायण डाड, नगर परिषद के सभापति राकेश पाठक ,योगेंद्र शर्मा बद्री प्रसाद गुरुजी, राजकुमार आंचलिया, राम लाल योगी मंचासीन थे। नवनियुक्त जिलाध्यक्ष मेवाड़ा के उद्बोधन से पूर्व सीताराम त्रिपाठी ने शंखनाद किया। आई टी, ओ बी सी मोर्चा द्वारा भाजपा कार्यालय में मोदी सरकार की उपलब्धियों को लेकर विशाल प्रदर्शनी का आयोजन किया गया प्रदेश अध्यक्ष जोशी ने अवलोकन किया जिसमें संचालन वेद प्रकाश खटीक एवं बाबूलाल टाक ने किया।

नेटथियेट पर कार्यक्रम आराधना

मंगल को जन्में मंगल ही करते मंगलमय भगवान

जयपुर. शाबाश इंडिया। मंगल को जन्में मंगल ही करते मंगलमय भगवान जय जय हनुमान जय हनुमान गाकर जुगल किशोर सैनी और उनके साथी कलाकारों ने आध्यात्म की ऐसी ज्योति प्रज्वलित की कि भक्ति रसधारा में नेटथियेट के दर्शक हिलोरे लेने लगे। नेटथियेट के राजेन्द्र शर्मा राजू ने बताया कि श्रीजी महाराज और फूलेरा के बाबा भगवान दास के शिष्य जुगल किशोर ने गणेश वंदना राग यमन में निबद्ध गजानंद नाचै ठुमक-ठुमक से कार्यक्रम की शरूआत की। इसके बाद शंकर तेरी जटा में बहती है गंगधार और सांई बाबा का भजन जय सांई राम मेरे मालिक के दरबार में सब लोगों का खाता सुनाकर माहौल भक्तिमय बनाया। रूचि पालीवाल ने राधा के मन में बस गये श्याम बिहारी भजन गा कर राधाकृष्ण के अटूट निरविकार प्रेम को साकार किया। सैनी ने कार्यक्रम का समापन राग भैरवी में तेरी शरण प्रभु, तेरी शरण कीर्तन से किया। जुगल सैनी के साथ रूचि पालिवाल और जतिन सैनी ने स्वर मिलाकर भजनों की रसधारा को आनंद की.नदी में प्रवाहित किया। कार्यक्रम का संचालन वरिष्ठ कला मर्मज्ञ ईश्वर दत्त माथुर ने किया। इनके साथ सिंथेसाइजर पर हबीब खान, तबले पर विजय बानेट ने शानदार संगत से कार्यक्रम को उंचाईयां दी। कार्यक्रम संयोजन नवल डांगी व मंच सज्जा व संगीत संयोजन सागर गढवाल, कैमरा मनोज स्वामी, प्रकाश अंकित शर्मा नोनू, व जीवितेश शर्मा '

अंतर्राष्ट्रीय वैश्य महासम्मेलन महिला विंग जयपुर जिला एवं हुनर फाउंडेशन के तत्वाधान में राखी

शाबाश इंडिया

लाइफस्टाइल एग्जिबिशन होटल जयपुर लेगेसी शिप्रा पथ पर लगाई गई। वैश्य महिला ग्रुप की अध्यक्ष श्रीमती मीना जैन चौधरी एवं हुनर फाउंडेशन की अध्यक्ष भावना बंसल ने बताया लगभग 50 स्टॉल इस एग्जीबिशन में लगाई गई। कार्यक्रम में अंतर्राष्ट्रीय वैश्य महासम्मेलन राजस्थान के प्रभारी ध्रुवदास दास अग्रवाल, महामंत्री गोपाल गुप्ता,वैश्य ग्रुप के जयपुर जिला के अध्यक्ष सुधीर गोधा,महामंत्री संजय पाबूवाल, वैश्य ग्रुप के यूथ विंग के अध्यक्ष शकुन होटल के डायरेक्टर जेडी महेश्वरी, महिला विंग की प्रदेश अध्यक्ष ज्योति खंडेलवाल, महासचिव चारू गुप्ता उपाध्यक्ष साधना गर्ग, कार्यकारी अध्यक्ष सीमा सेठी। महिला विंग जयपुर जिला की संरक्षक प्रिया बड़जात्या, वरिष्ठ कार्यकारी अध्यक्ष सारिका जैन कार्यकारी अध्यक्ष रश्मि छाबड़ा, वरिष्ठ उपाध्यक्ष माओ शेखर संयुक्त सचिव मीनाक्षी सोगानी, अर्चना डालमिया ,आशा संभरिया राजस्थान जैन सभा के अध्यक्ष सुभाष शकुंतला पांड्या, नवीन नलिनी जैन राजस्थान जैन युवा महासभा के फाउंडर प्रेसिडेंट प्रदीप निशा जैन , मंत्री विनोद दीपिका कोटखावदा, Northern regin चेयरमैन महेंद्र सिंघवी, जैन सोशल ग्रुप संगिनी कन्वेनर श्वेता लुणावत। संगिनी हेरिटेज की फाउंडर शालिनी जैन संगिनी कैपिटल की फाउंडर प्रेसिडेंट विनीता जैन, सदस्य मंजू बज, नीलम जैन। ड्रीम अचीवर क्लब की फाउंडर प्रेसिडेंट प्रीति गोयल प्रेसिडेंट मीनाक्षी जैन, hotel sovinour peppermint की director अलका गोड, प्रथम कदम की डायरेक्टर कविता पंजवानी, प्रथम के डायरेक्टर और अध्यक्ष पियूष शाह,दिल्ली स्कूल की डायरेक्टर रीमा शाह, शिल्पी फाउंडेशन की अध्यक्ष शिल्पी अग्रवाल, अपर्णा वाजपेई शांति भटनागर और बहुत से गणमान्य व्यक्तियों ने शिरकत करी। मीना चौधरी ने बताया कि महिलाओं के सशक्तिकरण को बढ़ावा देना इस एग्जीबिशन का उद्देश्य है।

श्रेयांसगिरि मे 6 दीक्षार्थियों को गणाचार्य श्री विरागसागर ने दिया दीक्षा का आशीर्वाद

राजेश रागी/ रत्नेश जैन बकस्वाहा. शाबाश इंडिया

पन्ना। जिले के सलेहा के समीपवर्ती अतिप्राचीन जैन तीर्थ श्रेयांसगिरि मे चातुर्मासरत गणाचार्य श्री विरागसागर जी महाराज ने छिंदवाड़ा से आए श्रमणाचार्य श्री 108 विभव सागर जी महाराज के संघस्थ 6 ब्रह्मचारिणी दीदी व भैया को दीक्षा की स्वीकृति देकर आशीर्वाद दिया। इसी पावन अवसर पर सभी दीक्षार्थी ब्र . भैया व बहिनों की गोद भराई संपन्न हुई, ये दीक्षार्थी देश के विभिन्न नगरों के निवासी हैं , सभी दीक्षार्थी संसार से विरक्ति धारण कर जल्द ही आचार्य श्री विभव सागर जी महाराज के कर कमलों से दीक्षा धारण कर कठिन व्रतों का पालन कर कर्मों की निर्जरा करेंगे। पूज्य गणाचार्य श्री के दर्शन कर सभी दीक्षार्थी गदगद थे, सभी ने गुरु महिमा बतलाते हुए कहा कि हम धन्य है कि हमें पूज्य गणाचार्यश्री जैसे गुरु प्राप्त हुये और गुरु चरणों में यही भावना भाते हैं कि हम भी आपके पद चिन्हों पर चलकर एक दिन मोक्ष को प्राप्त करें। श्रेयांसगिरि मे चातुर्मास कर रहे बुंदेलखंड के प्रथमाचार्य, उपसर्ग विजेता, राष्ट्रसंत, भारत गौरव गणाचार्य श्री 108 विराग सागर जी महामुनिराज के लगभग 350 सुयोग्य शिष्य देश के 11 प्रांतों के 80 स्थानों पर उप संघ धर्म प्रभावना कर रहे हैं।